सरकार :– कार्य और विषय–क्षेत्र

आनन्द कुमार
प्रवक्ता अर्थशास्त्र
रा0 इ0 क्वीतड़
पिथौरागढ़

बजटः अभिप्रायः–

बजट शब्द की उत्पत्ति फ्रेंच "Bougatte" से हुई है। जिसका अर्थ है एक चमडे का थैला या बटुआ। सन् 1733 में इग्लैण्ड में इस शब्द का प्रयोग जादू के पिटारे के अर्थ में किया जाता था। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था में सरकारी बजट का महत्वपूर्ण स्थान होता है। बजट एक विस्तृत आर्थिक विवरण है जिसमें सरकार की आय–व्यय का लेखा जोखा होता है। (भारत में बजट का प्रबन्ध भारतीय संविधान के अनुच्छेद 112 में उल्लेख किया गया है।) भारत में बजट की अवधि 1 अप्रैल से 31 मार्च तक की आय एवं व्यय अनुमानों का विवरण होता है।

बजट की प्रमुख परिभाषाः–

1. फिण्डले शिराज के अनुसार, ''बजट में गत वर्ष की आय एवं व्यय का विवरण, आने वाले वित्तीय वर्ष के आय एवं व्यय के अनुमानों तथा घाटों का पूरा करने हेतु साधनों के मार्ग या बचत को वितरित करने के प्रस्ताव सम्मलित रहते हैं''।
2. रेने स्टोर्न के अनुसार, ''बजट एक ऐसा प्रपत्र है जिसमें सार्वजनिक आय व सार्वजनिक व्यय की एक स्वीकृत व्यवस्था होती है''।

बजट का उद्देश्यः–

सरकारी बजट सरकार के एक वर्ष का आय एवं व्यय का ब्यौरा को प्रस्तुत करता है और बजट सरकार के आर्थिक नीतियों एवं उद्देश्यों को भी दर्शाता है। जिसे सरकार बजट के माध्यम से प्राप्त करना चाहती है। सरकार बजट के माध्यम से निम्न उद्देश्यों को पूरा करने का प्रयास करती है।

1. आर्थिक विकास की दर में वृद्धि करना।

NCERT पाठ्य पुस्तक से संकलित, एस बी पी डी पब्लिकेशन से संकलित Google Search तथा Student adviser से संकलित – आनन्द कुमार

2. गरीबी व बेरोजगारी को दूर करना।
3. क्षेत्रीय असमानताओं को दूर करना एवं आय की सही योजनाओं में उपयोग करना।
4. बजार में मूल्य व आर्थिक स्थिरता बनाये रखना।
5. अन्य क्षेत्रों रेल, बिजली, वित्त, रक्षा, खाद्यान, बैंकों आदि के लिए भी वित्त व्यवस्था करना।

बजट की विशेषताएँः–

उपर्युक्त परिभाषाओं एवं उद्देश्यों के आधार पर बजट की मुख्य विशेषताऐं निम्नलिखित हैंः–

1. यह एक विवरण होता है।
2. बजट का आधार नकद राशि होता है।
3. बजट में अनुमानित आय और व्यय का विवरण होता है।
4. यह एक निश्चित अवधि के लिए बनाया जाता है।

बजट के प्रकारः–

बजट दो प्रकार के होते हैं–

1. संतुलित बजट।
2. असंतुलित बजट।

संतुलित बजटः– संतुलित बजट में सरकार की आय एवं व्यय बराबर होती है। संतुलित बजट एक आदर्श की स्थिति है। व्यवहार में नही पाया जाता है। संतुलित बजट दो प्रकार से हो सकता है।

1. एक वर्ष के आधार पर संतुलित बजट।
2. कुछ वर्षों के आधार पर संतुलित बजट।

असंतुलित बजटः– असंतुलित बजट में आय एवं व्यय बराबर नहीं होते हैं। आय एवं व्यय में संतुलन नहीं पाया जाता है। असंतुलित बजट दो प्रकार का हो सकता है–

1. घाटे का बजटः– ऐसे बजट में सरकार की आय कम होती है, व्यय की अधिकता पायी जाती है।

NCERT पाठ्य पुस्तक से संकलित, एस बी पी डी पब्लिकेशन से संकलित Google Search तथा Student adviser से संकलित – आनन्द कुमार

भारत जैसे विकासशील राष्ट्रों में घाटे का बजट ही सरकार पेश करती है।

2. आधिक्य का बजटः– जिसमें सरकार व्यय की तुलना में आय अधिक होती है। आधिक्य का बजट कहलाता है।

सरकारी बजट की प्राप्तियाँ

बजट की प्राप्तियाँ दो प्रकार की होती हैंः–

1. **राजस्व प्राप्तियाँः–** राजस्व प्राप्तियों को सरकार कर और गैर कर से प्राप्त करती हैं। केन्द्र सरकार द्वारा जो कर लगाया जाता है सरकार का महत्वपूर्ण आय का स्रोत होता है। इसमें आयकर, निगमकर, सेवा कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, व्यापार कर शामिल हैं। गैर राजस्व कर फीस, लाइसेंस, परमिट, दण्ड एवं जुर्माना अनुदान, सार्वजनिक उपक्रमों से आय सम्मिलित होती है।
2. **पूँजीगत प्राप्तियाँः–** सरकार द्वारा जो ऋण लिया है पूँजीगत प्राप्तियाँ कहलाती हैं। इसमें सरकार द्वारा जनता से ऋण लिया जाता है। ट्रेजरी बिल की बिक्री से रिजर्व बैंक और व्यापारिक बैंक और वित्तीय संस्थाओं से सरकार ऋण लेती है। अन्य देशों से ऋण अर्न्तराष्ट्रीय संगठनों से कर्ज को शामिल किया जाता है अन्य मदें डाकघर बचत खाता, राष्ट्रीय बचत खाता, भविष्य निधि और सार्वजनिक उपक्रमों प्राप्त आय पूँजीगत प्राप्तियों में सम्मिलित किया गया है।

अभ्यास प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 1– बजट किसे कहते हैं?

उत्तर– बजट एक ऐसा सरकारी प्रपत्र है जिसमें सरकार की आय और व्यय का विवरण होता है।

प्रश्न 2– बजट की मुख्य विशेषताएँ बताइये?

उत्तर– बजट की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं :

1) बजट एक सरकारी विवरण है।

2) बजट अनुमानित आय और अनुमानित व्यय के आँकड़े होते हैं।

NCERT पाठ्य पुस्तक से संकलित, एस बी पी डी पब्लिकेशन से संकलित Google Search तथा Student adviser से संकलित – आनन्द कुमार

3) बजट की एक निश्चित समय सीमा होती है।

4) बजट नकद पर आधारित होती है।

प्रश्न 3– बजट की राजस्व प्राप्तियाँ और पूँजीगत प्राप्तियों में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– **राजस्व प्राप्तियाँ–** सरकार कर और गैर कर से जो आय प्राप्त करती है राजस्व प्राप्तियाँ कहलाती हैं। जैसे– आयकर, निगम कर आदि!

पूँजीगत प्राप्तियाँ– सरकार द्वारा जो ऋण लिया जाता है पूँजीगत प्राप्तियाँ कहलाती हैं। जनता से ऋण लेना, रिजर्व बैंक और व्यावसायिक बैंकों से ऋण, वित्तीय संस्थाओं आदि से ऋण लेना।